पाकिस्तान से परमाणु खतरा

1635. श्री लल्ली राम अग्रवाल :
श्री प्रमोद महाजन :
श्री वी० नारायणसामी :

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस तथ्य की जानकारी है कि पाकिस्तान ने परमाणु शस्त्रों के निर्माण की क्षमता प्राप्त कर ली है ;

(ख) यदि हां, तो इस परिप्रेक्ष्य में सरकार की परमाणु नीति क्या है ;

(ग) क्या सरकार शान्तिपूर्ण प्रयोजनों के लिए अपनी परमाणु क्षमता के इस्तेमाल के साथ-साथ रक्षा प्रयोजनों के लिए भी इस क्षमता का विकास करने का विचार रखती है ; और

(घ) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो भारत सरकार अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर परमाणु शस्त्रों के खतरे से अपने को बचाने के लिए किन-किन देशों के साथ सन्धि पर हस्ताक्षर करेगी ?

विदेश मंत्री (श्री माधव सिंह सोलंकी): (क) सरकार को पिछले अनेक वर्षों से पाकिस्तान के नाभिकीय कार्यक्रम के शस्त्रोन्मुखी होने की जानकारी है ।

(ख) से (घ) सरकार नाभिकीय ऊर्जा का शान्तिपूर्ण प्रयोजनों के लिए उपयोग करने पर वचनबद्ध है। तथापि, पड़ौस की गतिविधियों पर विशेष रूप से नजर रखते हुए भारत की सुरक्षा स्थिति की निरन्तर समीक्षा की जाती है और सरकार ऐसे किसी भी भय का सामना करने के लिए सभी आवश्यक उपाय करेगी जिनसे राष्ट्र की सुरक्षा को खतरा पैदा हो सकता हो ।

Supply of Passport Booklets

1636. SHRI MENTAY PADMAJfA-3HAM. Wiil the Minister of EXTEK* NAL AFFAIRS be pleased to state;

(a) what steps are being taken by Government to ensure sufficient supply of passport booklets;

(b) what are the reasons for present shortage of these booklets;

(c) what other measures are proposed to be taken to streamline the working of passport offices; and

(d) what are the details of steps being taken 'to simplify the proce. dure?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI MADHAVSINH SOLANK1): (a) The India Security Press has recently stepped up production. Possibility of printing of booklets by private presses to meet additional requirement is also being explored.

(b) The reasons for shortage booklets of are:

(i) unprecedented in increase of 53 per cent in number of fresh passport applications received during 1991; and

(ii) production constraints at the India Security Press, Nasik.

(c) and (d) Passport procedures have been simplified 'or facilitating expeditious issue of passport services. The details are given in the Statement (Please refer to the Statement appended to USQ 1593).

भारतीय विश्व कार्य परिषद को सहायता

1637. श्रीमती सत्था बहिन : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार द्वारा अब तक भारतीय विश्व कार्य परिषद को कितने धन की

मंजूरी दी गई है और क्या भारतीय विश्व कार्य परिषद आय-व्यय का लेखा रखती है ;

(ख) भारतीय विश्व कार्य परिषद में कितने कर्मचारी काम कर रहे हैं ;

(ग) भारतीय विश्व कार्य परिषद में कुप्रबन्ध की शिकायतों के संबंध में क्या-क्या कदम उठाये जा रहे हैं ;

(घ) क्या भारतीय विश्व कार्य परिषद के प्रबन्ध में सुधारों को लागू करने के लिए संसद में कोई विधेयक पुर:-स्थापित किये जाने की संभावना है ; और

(ङ) यदि हां तो कब तक ?

विदेश मंत्री (श्री माधव सिंह सोलंकी) : (क) 1987 से सरकार ने भारतीय विश्व कार्य परिषद को अनुदान नहीं दिया है जो इस समय स्वायत निकाय है और अपने लेखे रख रही है ।

(ख) 70, भारतीय विश्व कार्य परिषद से प्राप्त सूचना के अनुसार ।

(ग) से (ङ) सरकार भारतीय विश्व कार्य परिषद के कार्यान्वियन को पुन: सक्रिय बनाने के प्रयोजन से विभिन्न उपाय करने पर विचार कर रही है ।

Pakistan's Nuclear Policy

1638. MISS SAROJ KHAPARDE: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state;

(a) Whether it is a fact that Pakistan had turned down suggestions by the United States of America to roll back its weapon-oriented Nuclear Programme;

(b) Whether it is also a fact that Pakistan had declined to sign unilaterally the Nuclear Non-Proliferation Treaty (NPT) as per the news item captioned "Pak declines to sign NPT" which appeared in the Times *ot* India, dated January 14, 1992; and

(c) if so, what is the reaction of Government thereto?

THE" MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI MADHAVSINH SO. LANKI); (a) and (b) Government have seen press reports in this regard.

(c) Government constantly monitor all developments havi'ag a bearing on India's security and take necessary measures to safeguard it.

Training Camps on Assam.Manipur Border

1639. SHRI BHUVNESH CHATURVEDI: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government are aware about the training camps run by mercenaries to train extremist operating on Assam-Manipur border in Myan. mar and Bangladesh; and

(b) if so, what are the details thereof and the measures taken by Government in this regard?

THE MINISTER, OF EXTERNAL AFRAIRS (SHRI MADHAVSINH SO. LANKI): (a) and (b) Government have report of training being imparted to Indian insurgent groups in Bangladesh and Myanmar. The reports indicate that some of the camps involved have been in existence over a prolonged period and different groups have been receiving trailing there.

All developments relevant to India's security and national interests are under constant monitoring by the Government and appropriate measures are taken on a continuing basis.

Government's reaction on J.K.L.F. Mareh

1640. SHRI RAMDAS AGARWAL: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the recently